

(c) A scheme costing Rs. 1.12 crores, based on the recommendations of an *ad hoc* Expert Committee, has been sanctioned, and is also being executed by the Farakka Barrage Project. Pre-construction arrangements are presently being organised. The planning and designs of the regulators have been completed and tenders have been invited for this and other works. Action for acquiring the required land has already been made and the work is expected to be started in the ensuing working seasons and programmed to be completed in two year's time.

भारतीय कृषि अनुसन्धान संस्थान, पूना, नई दिल्ली में वैज्ञानिकों की सेवा स्थिति सम्बन्धी समिति

14. श्री बया राम शास्त्री : क्या कृषि और सिंचाई मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या भारतीय कृषि अनुसन्धान संस्थान, (पूना) नई दिल्ली के वैज्ञानिकों की सामान्य रूप से सेवा स्थिति और उनकी शिकायतों के बारे में जांच करने के लिये पहिले से नियुक्त समिति का पुनर्गठन करने की मांग की गई है ;

(ख) क्या वर्तमान समिति के खराब रवैये पर पिछले अनेक वर्षों से वैज्ञानिकों में अग्रन्तोष है; और

(ग) यदि हां, तो इस समिति के पुनर्गठन के बारे में सरकार ने क्या निर्णय लिया है तथा इस समिति का पुनर्गठन कब तक किया जाएगा ?

कृषि और सिंचाई मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री भानु प्रताप सिंह) : (क) भारतीय कृषि अनुसन्धान संस्थान के जीव रसायन प्रभाग की कार्य प्रणाली की जांच तथा इसके काम में विज्ञानियों द्वारा दिये गये सहयोग तथा इस प्रभाग की कार्य प्रणाली में सुधार लाने के लिए सिफारिशें करने हेतु भारतीय कृषि अनुसन्धान परिषद् द्वारा नियुक्त समिति के पुनर्गठन के लिए सुझाव दिये गये हैं।

(ख) क्योंकि समिति की स्थापना केवल मार्च, 1979 में हुई थी, इसलिए पिछले अनेक वर्षों से विज्ञानियों के बीच अग्रन्तोष का प्रश्न ही नहीं उठता।

1460 LS—3

(ग) समिति में दो विशेष विज्ञानियों को, जिनके नाम का प्रतिवेदन में उल्लेख है और जिन्हें वर्तमान अध्यक्ष तथा सदस्यों में से एक सदस्य के बदले सुझाया गया है उन्हें शामिल करने का सुझाव या दो विज्ञानियों को समिति में प्रतिरिक्त सदस्य के रूप में सम्मिलित करने का सुझाव स्वीकार करना संभव नहीं पाया गया। फिर भी यह सुझाव है कि समिति को अधिक विस्तृत आधार प्रदान करने के लिए देश के कृषि विश्वविद्यालयों से एक विज्ञानी को शामिल किया जाये। इस सम्बन्ध में शीघ्र ही आदेश जारी किये जाने की आशा है।

इंटों और ब्लाकों का उत्पादन

15. श्री हुकम चन्द कच्छबाय : क्या निर्माण और आवास तथा पूर्ति और पुनर्वास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या दक्षिणी राज्यों में पाई जाने वाली लेंटरराइट मिट्टी से इंटों और ब्लाक बनाने के लिए कोई तकनीकी आर्थिक व्यवहार्यता अध्ययन किया गया था तथा क्या यह परियोजना मार्च, 1979 में समाप्त हो जायी थी ;

(ख) यदि हां, तो इस बारे में कितनी प्रगति हुई है; और

(ग) यदि नहीं, तो इस में विलम्ब के क्या कारण हैं ?

निर्माण और आवास तथा पूर्ति और पुनर्वास मंत्री (श्री सिकन्दर बख्त) : (क) और (ख) केन्द्रीय भवन अनुसन्धान संस्थान, रुड़की ने भारतीय लेंटरराइट मिट्टी तथा लेंटरराइट से इंटों तथा ब्लाकों के उत्पादन के विषय में कुछ वैज्ञानिक अन्वेषण किए हैं। रिपोर्ट 30 मार्च, 1979 को राष्ट्रीय भवन (निर्माण) संगठन को पेश की गई थी।

(ग) प्रश्न नहीं उठता।

Sick Sugar Mills

16. SHRI AMARSINH V. RATHAWA: Will the Minister of AGRICULTURE AND IRRIGATION be pleased to state:

(a) the number of sick sugar mills in the country as on the 31st March, 1979, State-wise;